अध्याय 1

शीत युद्ध का दौर
[COLD WAR ERA]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. निम्न में से कौन-सा कथन गुटनिरपेक्ष आंदोलन के उद्देश्यों पर प्रकाश नहीं डालता— (NCERT)

(a) उपनिवेशवाद से मुक्त हुए देशों की स्वतंत्र नीति अपनाने में समर्थ बनना
(b) किसी भी सैन्य संगठन में शामिल होने से इंकार करना
(c) वैश्विक मामलों में तटस्थता की नीति अपनाना
(d) वैश्विक आर्थिक असमानता की समाप्ति पर ध्यान केन्द्रित करना।

2. शीत युद्ध के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है— (NCERT)

(a) यह संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ और उनके मित्र देशों के बीच एक प्रतिस्पर्धा थी
(b) यह महाशक्तियों के बीच विचारधाराओं को लेकर एक युद्ध था
(c) शीत युद्ध ने हथियारों की होड़ शुरू की
(d) अमेरिका और सोवियत संघ सीधे युद्ध में शामिल थे।

3. नाटो संधि (NATO) पर हस्ताक्षर किस वर्ष हुए—

(a) सन् 1948 (b) सन् 1949 (c) सन् 1950 (d) सन् 1951.

4. गुटनिरपेक्षता का मूल रूप से अभिप्राय है—

(a) शक्ति गुटों के प्रति तटस्थता (b) विश्व में शांति और एकता लाना
(c) तीसरी दुनिया की शक्ति होना (d) अपनी नीति चुनना।

5. गुटनिरपेक्षता जो भारत की विदेश नीति है से अभिप्राय है—

(a) तटस्थता
(b) शीत युद्ध के दौरान तीन ब्लाकों के बीच समदूरस्थता
(c) प्रत्येक मुद्दे एवं स्वाधीनता को अपने राष्ट्रीय हित में देखना
(d) अन्य राज्यों के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप।

6. संयुक्त राज्य अमेरिका ने किस तिथि को हिरोशिमा पर अणुबम गिराया था—

(a) 9 अगस्त, 1945 (b) 3 मई, 1945
(c) 25 जुलाई, 1945 (d) 6 अगस्त, 1945.

उत्तर— 1. (c), 2. (d), 3. (b), 4. (a), 5. (c), 6. (d).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

Scanned with CamScanner

बेलग्रेड में हुआ,

अति लघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. शीत युद्ध पूर्णतः कब समाप्त माना जाता है ?

उत्तर—शीत युद्ध पूर्णतः 26 दिसंबर सन् 1991 के बाद अंत में समाप्त माना जाता है।

प्रश्न 2. गुटनिरपेक्षता का प्रथम शिखर सम्मेलन कब और कहाँ हुआ ?

उत्तर—गुटनिरपेक्षता का प्रथम शिखर सम्मेलन 1 सिंतबर, 1961 को यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में हुआ था।

प्रश्न 3. गुटनिरपेक्ष नीति के प्रणेता कौन-कौन थे ?

उत्तर—गुटनिरपेक्षता आंदोलन के प्रणेता पं. नेहरू (भारत), मार्शल टीटो (यूगोस्लाविया), कर्नल नासेर (मिस्र) एवं राष्ट्रपति सुकर्णो (इंडोनेशिया) को माना गया है।

प्रश्न 4. तीसरी दुनिया (विश्व) किसे कहा जाता है ?

उत्तर—नव स्वतंत्र देशों के समूह जो अल्प विकसित थे, उन्हें तीसरी दुनिया के रूप में जाना गया।

प्रश्न 5. समकालीन विश्व राजनीति क्या है ?

उत्तर—द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से वर्तमान तक की वैश्विक घटनाओं को समकालीन विश्व राजनीति के नाम से जाना जाता है।

प्रश्न 6. शीत युद्ध क्या है ?

उत्तर—शीत युद्ध 'युद्ध' न होकर युद्ध की परिस्थिति को स्थापित करने की कला है जिसमें प्रत्येक विषय पर प्रत्येक पक्ष अपने संकीर्ण हितों को ध्यान में रखकर विचार तथा कार्य करता है।

प्रश्न 7. गुटनिरपेक्षता का क्या अर्थ है ?

उत्तर—विश्व के दो शक्तिशाली गुटों से दूर रहकर अपनी स्वतन्त्र नीति का पालन करना ही गुट-निरपेक्षता है।

प्रश्न 8. दो ध्रुवीय विश्व से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर—द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् शक्तिशाली देशों (संयुक्त राज्य अमेरिका एवं सोवियत रूस) का दो गुटों में विभक्त होना ही दो ध्रुवीय विश्व कहलाता है।

प्रश्न 9. तनाव शैथिल्य का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर—सामान्य अर्थ में तनाव शैथिल्य का अभिप्राय सोवियत रूस व अमेरिकी तनाव में कमी और उनमें बढ़ती मित्रता को एवं शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना है।

डॉ. बी.के. श्रीवास्तव के अनुसार—

"संयुक्त राज्य अमेरिका एवं सोवियत संघ ने शीतयुद्ध के संघर्षपूर्ण संबंधों को समाप्त करने का निश्चय किया है। उसे तनाव शैथिल्य या दीतान्त कहते हैं।"

प्रश्न 10. नई अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था क्या है ?

उत्तर—नई अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था वह है जिसका उद्देश्य विकासशील देशों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। साधनों को विकसित देशों से विकासशील देशों में भेजना, वस्तु संबंधी समझौते करना, बचाववाद को समाप्त करना तथा प्राचीन परम्परावादी औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था के स्थान पर निर्धन देशों के साथ न्याय करना है।

Scanned with CamScanner

अध्याय 2

दो ध्रुवीयता का अंत

[THE END OF BIPOLARITY]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. सोवियत अर्थव्यवस्था की प्रकृति के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है— (NCERT)

   (a) सोवियत अर्थव्यवस्था में समाजवाद प्रभावी विचारधारा थी

   (b) उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व/नियंत्रण होना

   (c) जनता को आर्थिक आजादी थी

   (d) अर्थव्यवस्था के हर पहलू का नियोजन और नियंत्रण राज्य करता था।

Scanned with CamScanner

अति लघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. दो ध्रुवीयता का अंत कब हुआ ?

उत्तर—सन् 1991 में सोवियत्त व्यवस्था समाप्त होने की द्वि-ध्रुवीयता का अंत हो गया।

प्रश्न 2. रूसी मुद्रा का नाम बताइये।

उत्तर—रूसी मुद्रा का नाम रूबल है।

प्रश्न 3. दो ध्रुवीय देश कौन-कौन से हैं ?

उत्तर—दो ध्रुवीय देश संयुक्त राज्य अमेरिका एव सोवियत संघ है।

प्रश्न 4. सोवियत प्रणाली क्या है ?

उत्तर—1917 में रूसी क्रांति के पश्चात् साम्यवादी विचारधारा के अधीन समाजवादी सोवियत गणराज्य (प्रणाली) की स्थापना की गई।

प्रश्न 5. बर्लिन की दीवार कब बनाई गई ?

उत्तर—बर्लिन की दीवार सन् 1961 में बनाई गई थी।

प्रश्न 6. बर्लिन की दीवार कब तोड़ी गई ?

उत्तर—बर्लिन की दीवार 9 नवंबर सन् 1989 को तोड़ी गई।

प्रश्न 7. गोर्बोचेव द्वारा प्रारंभ की गई आर्थिक अर्थव्यवस्था का नाम लिखिए।

उत्तर—गोर्बाचेव ने ग्लासनोस्त एवं पेरेस्त्राईका नामक अर्थव्यवस्था आर्थिक सुधार हेतु प्रारंभ की।

प्रश्न 8. एक ध्रुवीय अर्थव्यवस्था के उदय का क्या कारण था ?

उत्तर—एक ध्रुवीय अर्थव्यवस्था के उदय का कारण सोवियत संघ का विघटन था।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 9. भारत की 'पूर्वी अवलोकन' नीति का क्या उद्देश्य था ?

उत्तर—भारत की 'पूर्वी अवलोकन' नीति का उद्देश्य 'आसियान देशों के साथ घनिष्ठ संबंध' बनाना है

प्रश्न 10. सोवियत प्रणाली की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—सोवियत प्रणाली की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—(1) सोवियत प्रणाली योजनाबद्ध एवं राज्य के नियंत्रण में थी। (2) सोवियत संघ में सम्पत्ति पर राज्य का स्वामित्व एवं नियंत्रण था।

प्रश्न 11. सोवियत संघ के महाशक्ति के रूप में उभरने के दो कारण लिखिए।

उत्तर—**सोवियत संघ के महाशक्ति के रूप में उभरने के कारण**—(1) इनके पास विशाल ऊर्जा संसाधन जैसे—खनिज तेल, लोहा और इस्पात और मशीनरी उत्पाद मौजूद थे। (2) सोवियत संघ का घरेलू उत्पाद उद्योग भी उन्नत था और पिन से लेकर कार तक सभी चीजों का उत्पादन होता था।

प्रश्न 12. सोवियत प्रणाली की दो खामियाँ (कमियाँ) लिखिए।

उत्तर—सोवियत प्रणाली की दो खामियाँ निम्नलिखित हैं— (1) लोगों (जनता) को शासन की गलतियों पर प्रकाश डालने की स्वतंत्रता नहीं थी। (2) आम जनता का जीवन कठिन था जबकि दल के नेता और सरकारी कर्मचारी अच्छे स्तर का जीवन बिताते थे।

प्रश्न 13. सोवियत संघ के विघटन के दो कारण लिखिए।

उत्तर—सोवियत संघ के विघटन के दो कारण निम्नलिखित हैं—(1) गोर्बाचेव द्वारा किये गये सुधार एवं जनता को प्राप्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। (2) राजनीतिक, आर्थिक संस्थाओं की अंदरूनी कमजोरियाँ।

प्रश्न 14. शॉक थेरेपी क्या है ?

उत्तर—रूस, मध्य एशिया के गणराज्य और पूर्वी यूरोप के देशों में पूँजीवाद की ओर संक्रमण का एक खास मॉडल अपनाया गया। विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निर्देशित इस मॉडल को 'शॉक थेरेपी' कहा गया।

प्रश्न 15. शॉक थेरेपी के दो परिणाम लिखिए।

उत्तर—शॉक थेरेपी के परिणाम निम्नलिखित हैं—

(1) असमानता में वृद्धि। (2) रूसी मुद्रा (रूबल) में गिरावट। (3) असंतोष की भावना का विकास।

प्रश्न 16. सोवियत संघ के विघटन से विश्व की राजनीति किस प्रकार की हो गई ?

उत्तर—सोवियत संघ के विघटन से विश्व की राजनीति एक ध्रुवीय हो गई।

प्रश्न 17. लेनिन कौन था ?

उत्तर—लेनिन बोल्शेविक कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक थे।

प्रश्न 18. बर्लिन (जर्मनी) की दीवार किसका प्रतीक था ?

उत्तर—बर्लिन (जर्मनी) की दीवार पूँजीवादी दुनिया और साम्यवादी दुनिया के बीच विभाजन का प्रतीक था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सोवियत प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—सोवियत प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—(1) सोवियत प्रणाली की धुरी कम्युनिस्ट पार्टी थी। इस दल का सभी संस्थाओं पर गहरा नियंत्रण था। (2) सोवियत प्रणाली में सम्पत्ति पर राज्य का नियंत्रण एवं स्वामित्व था। (3) सोवियत संघ के पास विशाल ऊर्जा संसाधन थे, जिसमें खनिज तेल, लोहा, उर्वरक, इस्पात व मशीनरी आदि शामिल थे। (4) सोवियत संघ का घरेलू उपभोक्ता उद्योग भी बहुत उन्नत था। (5) सोवियत संघ में बेरोजगारी नहीं थी।

प्रश्न 2. भारत जैसे देशों के लिए सोवियत संघ के विघटन के क्या परिणाम हुए ? (NCERT)

उत्तर—**विघटन के परिणाम**—(1) भारत शीतयुद्ध को रोकने की चाह करने वाले राष्ट्रों में अग्रणी राष्ट्र था। उसे महसूस हुआ कि अब विश्व में शीतयुद्ध का दौर और अन्तर्राष्ट्रीय तनावपूर्ण वातावरण एवं संघर्ष की समाप्ति हो जाएगी। भारत ने महसूस किया कि अब सैन्य गुटों के गठन की प्रक्रिया रुकेगी तथा हथियारों की तेज दौड़ भी थमेगी। भारत में सरकार तथा जनता को एक नई अंतर्राष्ट्रीय शांति की संभावना दिखाई देने लगी।

(2) सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् भारत ने विश्व की एकमात्र महाशक्ति संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मजबूत सम्बन्ध बनाने की ओर रुख किया।

Scanned with CamScanner

अध्याय 3

समकालीन विश्व में अमरीकी वर्चस्व [U.S. HEGEMONY IN WORLD POLITICS]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए— (NCERT

1. वर्चस्व के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है—

(a) इसका अर्थ किसी एक देश की अगुवाई या प्राबल्य है

(b) इस शब्द का इस्तेमाल प्राचीन यूनान में एथेन्स की प्रधानता को चिन्हित करने के लिए किया जाता

(c) वर्चस्वशील देश की सैन्य शक्ति अजेय होती है

(d) वर्चस्व की स्थिति नियत होती है, जिसने एक बार वर्चस्व कायम कर लिया उसने हमेशा के लि वर्चस्व कायम कर लिया।

2. समकालीन विश्व व्यवस्था के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है— (NCERT

(a) ऐसी कोई विश्व-सरकार मौजूद नहीं, जो देशों के व्यवहार पर अंकुश रख सके

(b) अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में अमेरिका की चलती है

(c) विभिन्न देश एक-दूसरे पर बल प्रयोग कर रहे हैं

(d) जो देश अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करते हैं उन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ कठोर दण्ड देता है।

3. 'ऑपरेशन इराकी फ्रीडम' (इराकी मुक्ति अभियान) के बारे में निम्नलिखित में से कौन-स कथन गलत है— (NCERT

(a) इराक पर हमला करने के इच्छुक अमरीकी अगुवाई वाले गठबन्धन में 40 से ज्यादा देश शामिल हु

(b) इराक पर हमले का कारण बताते हुए कहा गया कि यह हमला इराक को सामूहिक संहार के हथिय बनाने से रोकने के लिये किया जा रहा है

(c) इस कार्यवाही से पहले संयुक्त राष्ट्र संघ की अनुमति ले ली गई थी

(d) अमरीकी नेतृत्व वाले गठबन्धन को इराकी सेना से तगड़ी चुनौती नहीं मिली।

Scanned with CamScanner

अति लघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. "नई विश्व व्यवस्था" का नाम किसने दिया ?

उत्तर—नई विश्व व्यवस्था का नाम अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश (सीनियर) ने दिया।

प्रश्न 2. "बैंड वेगन" क्या है ?

उत्तर—बैंड वेगन एक रणनीति है जो अमेरिका के वर्चस्व से संबंधित है।

प्रश्न 3. "हेगेमनी" शब्द की जड़ें कहाँ से प्राप्त हुई ?

उत्तर—हेगेमनी शब्द की जड़ें प्राचीन यूनान से प्राप्त हुई है।

प्रश्न 4. समकालीन विश्व राजनीति क्या है ?

उत्तर—समकालीन विश्व राजनीति द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विशेष रूप से 1990 के बाद की घ
घटनाओं का अध्ययन है।

प्रश्न 5. भारत ने दूसरा परमाणु परीक्षण कब किया ?

उत्तर—भारत ने दूसरा परमाणु परीक्षण मई 1998 में किया।

प्रश्न 6. नाटो का पूरा नाम क्या है ?

उत्तर—नाटो (NATO) का पूरा नाम उत्तर अटलांटिक संधि संगठन है।

प्रश्न 7. 'ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच' का आदेश किसने दिया ?

उत्तर—'ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच' का आदेश अमरीकी राष्ट्रपति क्लिंटन ने दिया।

प्रश्न 8. "आकांक्षियों का महाजोट" (Coaliton of Willings) किस देश ने बनाया ?

उत्तर—"आकांक्षियों का महाजोट' अमेरिका ने बनाया।

प्रश्न 9. प्रथम खाड़ी युद्ध को किस सैन्य अभियान के नाम से जाना जाता है ?

उत्तर—प्रथम खाड़ी युद्ध को 'ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म' सैन्य अभियान के नाम से जाना जाता है।

प्रश्न 10. न्यूयार्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकी हमला कब हुआ था ?

उत्तर—न्यूयार्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकी हमला 11 सितंबर, 2001 को हुआ था।

प्रश्न 11. 9/11 की घटना का जिम्मेदार किसे माना गया ?

उत्तर— 9/11 की घटना का जिम्मेदार अलकायदा तथा तालिबान को माना गया।

प्रश्न 12. हेगेमनी क्या है ?

उत्तर—यह शब्द किसी एक राज्य के नेतृत्व अथवा प्रभुत्व का आभास कराता है। इसकी जड़ें प्र
यूनान से शुरू हुई।

प्रश्न 13. ईराक के शासक सद्दाम हुसैन को कब फाँसी दी गई ?

उत्तर—सद्दाम हुसैन (इराकी शासक) को 2006 में फाँसी दी गई।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 14. नई विश्व व्यवस्था क्या है ?

उत्तर—इराक के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा बल प्रयोग की अनुमति दिये जाने को राष्ट्रपति जार्ज बुश ने नई विश्व व्यवस्था की उपमा दी थी।

प्रश्न 15. ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म क्या है ?

उत्तर—प्रथम खाड़ी युद्ध के दौरान 34 देशों की संयुक्त सेना के संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा समर्थित सैन्य अभियान को ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म की संज्ञा दी गई थी।

प्रश्न 16. स्मार्ट बम क्या है ?

उत्तर—प्रथम खाड़ी युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा प्रयुक्त किये गये बमों को स्मार्ट बम कहा गया है।

प्रश्न 17. कम्प्यूटर युद्ध किसे कहते हैं ?

उत्तर—खाड़ी युद्ध के दौरान अमेरिका ने स्मार्ट बम का प्रयोग करके कुवैत के खिलाफ इराक को घुटने टेकने पर बाध्य कर दिया, पर्यवेक्षकों द्वारा इसे कम्प्यूटर युद्ध की संज्ञा दी गई है।

प्रश्न 18. अलकायदा क्या है ?

उत्तर—अलकायदा एक आतंकवादी संगठन है।

प्रश्न 19. ऑपरेशन एन्ड्यूरिंग फ्रीडम क्या है ?

उत्तर—आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका द्वारा विश्वव्यापी युद्ध के एक अंग के रूप में चलाया गया अभियान ऑपरेशन एन्ड्यूरिंग एक सैन्य अभियान था।

प्रश्न 20. 'वर्चस्व' का क्या अर्थ है ?

उत्तर—अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में शक्ति का एक ही केन्द्र हो, तो उसे 'वर्चस्व' शब्द से अभिव्यक्त किया जाता है।

प्रश्न 21. ब्रेटनवुड्स प्रणाली क्या है ?

उत्तर—इस प्रणाली के अंतर्गत वैश्विक व्यापार के नियम निर्धारित किये गये थे, जिनको अमेरिकी हितों के अनुकूल बनाया गया था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. एक ध्रुवीय व्यवस्था से क्या समझते हैं ?

उत्तर—शीत युद्ध की समाप्ति के पश्चात् सोवियत संघ का विघटन हो गया। सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् अमेरिका को चुनौती देने वाला कोई भी शक्तिशाली देश नहीं रह गया। इस प्रकार विश्व राजनीति में अमेरिका के वर्चस्व की राजनीति प्रारंभ होती है। इसे ही एक ध्रुवीय व्यवस्था कहा जाता है।

प्रश्न 2. प्रथम खाड़ी युद्ध के परिणाम लिखिए।

उत्तर—प्रथम खाड़ी युद्ध के निम्नलिखित परिणाम हैं—(1) प्रथम खाड़ी युद्ध से यह बात स्पष्ट हो गई कि बाकी देश सैन्य मामले में अमेरिका से बहुत पीछे हैं। (2) इस युद्ध से विश्व राजनीति में अमेरिका का वर्चस्व स्थापित हुआ। (3) इस युद्ध में भीषण बम-बारी से इराक व कुवैत में भारी जन-धन की हानि हुई। (4) इस युद्ध में आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया गया जिसे सैन्य विशेषज्ञों ने कम्प्यूटर युद्ध की संज्ञा दी है। (5) युद्ध तो 1991 में समाप्त हो गया लेकिन इराक के विरुद्ध लगाये गये प्रतिबंध वर्षों तक जारी रहे।

प्रश्न 3. इराक पर आक्रमण की घटना लिखिए।

उत्तर—कुवैत पर इराक की गतिविधियों के बाद से ही अमेरिका इराक के पीछे पड़ा था। इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन का शासनकाल हत्याओं और यातनाओं के लिए कुख्यात हो चुका था। इसके अलावा अमेरिका ने यह बहाना बनाया कि इराक ने 'सामूहिक नरसंहार के शस्त्र' विकसित कर लिये हैं। पर अमेरिका की असली नजर, इराक के विशाल तेल भण्डार पर थी और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्रसंघ की अनुमति के बिना ही 19 मार्च 2003 को 'ऑपरेशन इराकी फ्रीडम' के नाम से इराक पर हमला कर दिया। सद्दाम हुसैन की सरकार कुछ दिनों के बाद ही समाप्त हो गई। 2006 में उसे फाँसी दे दी गई।

प्रश्न 4. सैन्यशक्ति के रूप में अमेरिकी वर्चस्व लिखिए।

उत्तर—सैन्यशक्ति के रूप में अमेरिकी वर्चस्व को अग्रलिखित बिन्दुओं के अंतर्गत स्पष्ट किया जा सकता है—

Scanned with CamScanner

अध्याय 5

समकालीन दक्षिण एशिया

[CONTEMPORARY SOUTH ASIA]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **निम्न में से कौन-सा देश एशिया में शामिल है—**
(a) भारत (b) पाकिस्तान (c) श्रीलंका (d) उपरोक्त सभी।
2. **सार्क एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठन है—**
(a) ऑस्ट्रेलिया का (b) दक्षिण एशिया का (c) अफ्रीका का (d) दक्षिण अमेरिका का।
3. **शिमला समझौता कब हुआ—**
(a) 1972 (b) 1970 (c) 1978 (d) 1977.
4. **1965 में भारत पर किस देश ने आक्रमण किया था—**
(a) पाकिस्तान (b) चीन (c) अमेरिका (d) ईरान।
5. **बांग्लादेश नाम का राज्य कब अस्तित्व में आया—**
(a) 1947 में (b) 1965 में (c) 1971 में (d) 1975 में।
6. **दक्षिण एशिया के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है—** **(NCERT)**
(a) दक्षिण एशिया में सिर्फ एक तरह की राजनीतिक प्रणाली चलती है
(b) बांग्लादेश और भारत ने नदी-जल की हिस्सेदारी के बारे में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं
(c) 'सॉफ्टा' पर हस्ताक्षर इस्लामाबाद के 12 वें सार्क-सम्मेलन में हुए
(d) दक्षिण एशिया की राजनीति में चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उत्तर—1. (d), 2. (b), 3. (a), 4. (a), 5. (c), 6. (a).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. पाकिस्तान को स्वतंत्रता .... को प्राप्त हुई थी।
2. पाकिस्तान .... राज्य निर्माण सिद्धांत को मानता है।
3. भारत-पाक के मध्य सबसे प्रमुख समस्या .... है।
4. शिमला समझौते पर पाक प्रधानमंत्री .... ने हस्ताक्षर किये थे।
5. कारगिल युद्ध दिनांक .... से दिनांक .... के मध्य हुआ था।
6. कारगिल युद्ध की योजना पाकिस्तानी जनरल .... ने बनायी थी।
7. आगरा शिखर वार्ता .... एवं .... के मध्य हुई थी।
8. भारत ने दिनांक .... को नाभिकीय परमाणु परीक्षण किया था।

उत्तर— 1. 14 अगस्त, 1947, 2. द्वि, 3. कश्मीर विवाद, 4. जुल्फीकार अली भुट्टो, 5. 26 मई, 17 जुलाई, 6. मुशर्रफ, 7. जनरल मुशर्रफ, वाजपेयी, 8. 11 मई, 1998।

प्रश्न 3. सही जोडियाँ बनाइये—

Scanned with CamScanner

11. सन् 1973 में, 12. सन् 1978 में।

अति लघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. नेपाल के लोग अपने देश में लोकतंत्र को बहाल करने में कैसे सफल हुए ? (NCERT)

उत्तर—नेपाल में लोकतंत्र की बहाली—(1) नेपाल अतीत में एक हिन्दू-राज्य था फिर आधुनिक काल में कई सालों तक यहाँ संवैधानिक राजतंत्र रहा। संवैधानिक राजतंत्र के दौर में नेपाल की राजनीतिक पार्टियाँ और आम जनता एक ज्यादा खुले और उत्तरदायी शासन पर पूरा नियंत्रण कर लिया और नेपाल में लोकतंत्र की राह अवरूद्ध हो गई।

(2) आखिरकार लोकतंत्र-समर्थक मजबूत आंदोलन की चपेट में आकर राजा ने 1990 में नए लोकतांत्रिक संविधान की माँग मान ली, लेकिन नेपाल में लोकतांत्रिक सरकारों का कार्यकाल बहुत छोटा और समस्याओं से भरा रहा।

प्रश्न 2. शिमला समझौते की तीन शर्तें लिखिए।

उत्तर—शिमला समझौते की प्रमुख शर्तें निम्नलिखित हैं—(1) दोनों देश अपनी सभी समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने का प्रयास करेंगे। (2) समस्या के समाधान के लिए दोनों देश सैन्यबल का प्रयोग नहीं करेंगे। (3) दोनों देश शीघ्र ही डाक, तार, जल, थल, वायु मार्ग और संचार सेवाओं को बहाल करने का कार्य करेंगे।

प्रश्न 3. भारत को किन कारणों से नाभिकीय परीक्षण हेतु विवश होना पड़ा ?

उत्तर—पाकिस्तान लगातार अपनी सामरिक शक्ति में वृद्धि कर रहा था। उसने 1988 में "गौरी मिसाइल" का परीक्षण किया, जिसकी मारक क्षमता 1500 किलोमीटर थी। अत: भारत को पाकिस्तान को अहसास कराने के लिए 11 एवं 13 मई, 1998 को विवशता में पाँच नाभिकीय परीक्षण करने पड़े।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 10. भारत-बांग्लादेश के बीच गलियारा विवाद को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—भारत-बांग्लादेश के मध्य गलियारा विवाद—बांग्लादेश के तीन-बीघा क्षेत्र विवाद मूलतः तत्कालीन कूच विहार-नरेश द्वारा अपनी रियासत को भारत में विलय करने में विलंब के कारण उत्पन्न हुआ। विलय होते समय 178 मीटर लंबी और 85 मीटर चौड़ी तीन बीघा भूमि पहले पाकिस्तान और भारत के मध्य एवं बांग्लादेश बनने पर उसके साथ विवाद का विषय बन गया। यह एक ऐसी भूमि है, जिसके तीन तरफ बांग्लादेश की सीमा है। यहाँ भारत के कुचिलवाड़ी क्षेत्र के नागरिक इस गलियारा नुमा क्षेत्र का खुलकर उपयोग करते आ रहे थे, किन्तु बांग्लादेश के दाहाग्राम और मंगरपार के निवासियों को काफी घूमकर दूसरी ओर के बांग्लादेशी गाँवों को पहुँचना पड़ता था। बांग्लादेश इस क्षेत्र को अपने अधिकार में लेना चाहता था, किन्तु भारत इसके लिए तैयार नहीं है, अंत में 1992 को भारत ने इस शर्त पर पट्टे को बांग्लादेश को हस्तांतरित कर दिया कि इस भूमि पर भारत की प्रभुसत्ता रहेगी और भारतीय भी इसका उपयोग स्वतंत्रता पूर्वक करते रहेंगे। इस समझौते से बांग्लादेश संतुष्ट नहीं है।

प्रश्न 11. भारत-बांग्लादेश तनाव के कारण लिखिए।

उत्तर—भारत-बांग्लादेश तनाव के कारण निम्न हैं—(1) न्यूमूर द्वीप विवाद। (2) मुहरी नदी विवाद। (3) चकमा शरणार्थी समस्या। (4) तीन बीघा गलियारा विवाद। (5) फरक्का बाँध विवाद।

प्रश्न 12. भारत-नेपाल विवाद के दो प्रमुख मुद्दे लिखिए।

उत्तर—भारत-नेपाल विवाद के दो मुद्दे निम्नलिखित हैं—(1) नेपाल की ढुलमुल विदेश नीति एवं चीन की ओर झुकाव। (2) पाकिस्तान से खुलकर संबंध बढ़ाने के कारण।

प्रश्न 13. श्रीलंका की तमिल समस्या के समाधान के लिए भारत के योगदान को लिखिए।

अथवा

श्रीलंका की जातीय समस्या के हल के लिये भारत द्वारा किये गये प्रयासों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—तमिल समस्या श्रीलंका की आन्तरिक समस्या थी, लेकिन इस समस्या का प्रभाव भारत पर भी पड़ा और श्रीलंका से हजारों की संख्या में शरणार्थी भारत आये, जो भारत के लिए एक समस्या बन गई। दूसरी ओर श्रीलंका सरकार ने तमिलों का दमन ही नहीं अपितु आर्थिक नाकेबंदी भी कर दी, जिससे वे भूखों मरने की स्थिति में आ गये। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए भारत ने हवाई मार्ग से तमिलों को राहत सामग्री पहुँचायी। भारत के इस हस्तक्षेप के कारण श्रीलंका ने इस समस्या के समाधान के लिए समझौतावादी रूख अपनाकर भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गाँधी से कोलम्बो में एक समझौता (29 जुलाई, 1987) किया।

इस समझौते में श्रीलंका में शांति बनाए रखने में भारत की महत्वपूर्ण स्थिति को स्वीकार करते हुए भारत को समझौते के गारण्टर की भूमिका दी गई। भारत ने श्रीलंका में शांति बनाये रखने के लिये भारतीय शांति रक्षक दल भेजा, जिसके प्रयासों से ही वहाँ राष्ट्रपति के चुनाव, प्रान्तीय परिषदों और संसद के चुनाव हुए। निर्वाचित राष्ट्रपति, रणसिंघ प्रेमदासा के कारण शांति रक्षक वापस लौट आये।

प्रश्न 14. भारत व बांग्लादेश के बीच सम्पन्न गंगाजल बँटवारे की सन्धि की व्यवस्थाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर—दिसम्बर, 1996 में बांग्लादेश की प्रधानमन्त्री शेख हसीना वाजिद और भारत के ... एच. डी. देवगौड़ा के बीच गंगाजल बँटवारे पर एक 30 वर्षीय सन्धि हुई। सन्धि ... जल के बँटवारे की जो व्यवस्था निश्चित की गई ...

अध्याय 7

समकालीन विश्व में सुरक्षा

[SECURITY IN CONTEMPORARY WORLD]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **निम्न में से सुरक्षा का अर्थ है—**
   (a) स्वतंत्रता से आजादी (b) खतरे से आजादी (c) समानता से आजादी (d) उपरोक्त सभी
2. **मानव जाति को किससे खतरा है—**
   (a) परमाणु हथियारों से (b) आतंकवाद से
   (c) प्राकृतिक आपदाओं से (d) उपरोक्त सभी।
3. **11 सितम्बर, 2001 को किस देश पर आतंकवादी हमला हुआ—**
   (a) भारत (b) पाकिस्तान
   (c) रूस (d) संयुक्त राज्य अमेरिका।
4. **भारत के कितने पड़ोसी देशों के पास परमाणु हथियार हैं—**
   (a) 2 (b) 5 (c) 7 (d) 8.
5. **भारत समर्थन करता है—**
   (a) परमाणु हथियारों का (b) नि:शस्त्रीकरण का
   (c) आतंकवाद का (d) उपरोक्त सभी।

उत्तर— 1. (b), 2. (d), 3. (d), 4. (a), 5. (b).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. विश्व व्यवस्था की स्थापना 1648 की .... की संधि द्वारा की गयी थी।
2. सन् .... में राष्ट्र संघ की स्थापना की।
3. 1939 में .... युद्ध प्रारम्भ हुआ।
4. 1945 में .... की स्थापना हुई।
5. 1945 में हिरोशिमा और .... पर अणु बम गिराया गया।
6. सन् 2004 में विश्व के 160 देशों ने .... पर हस्ताक्षर किये थे।

उत्तर—1. वेस्टफीलिया, 2. 1920, 3. द्वितीय विश्व, 4. संयुक्त राष्ट्र संघ, 5. नागासाकी, 6. क्योटो प्रो

प्रश्न 3. (I) सही जोड़ियाँ बनाइए—

(क)

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. विश्वास बहाली, सुरक्षा का एक नियम है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— पारंपरिक सुरक्षा की धारणा के अंतर्गत सुरक्षा का एक उपाय यह भी है कि विश्व के विभि देशों में एक-दूसरे के प्रति विश्वास की भावना का विकास किया जाए।

प्रश्न 4. नि:शस्त्रीकरण क्या है ?

उत्तर— नि:शस्त्रीकरण का अर्थ है "अस्त्र-शस्त्रों का अभाव या अस्त्र-शस्त्रों को नष्ट करना।"

प्रश्न 5. आतंकवाद क्या है ?

उत्तर— आतंकवाद का अभिप्राय भय या आतंक उत्पन्न करना है। आतंक उत्पन्न करने के पीछे कि संगठन अथवा समूह का कोई निश्चित लक्ष्य प्राप्त करना होता है।

प्रश्न 6. मानव अधिकार क्या है ?

उत्तर— मानव अधिकार का अर्थ अपने जीवन के अस्तित्व को बनाये रखने के साथ-साथ अप व्यक्तित्व का अधिकाधिक विकास करना है।

प्रश्न 7. अप्रवासी किसे कहा जाता है ?

उत्तर— जो लोग अपनी मर्जी से स्वदेश छोड़ते हैं, उन्हें अप्रवासी कहा जाता है।

प्रश्न 8. शरणार्थी किसे कहते हैं ?

उत्तर— जो लोग युद्ध, प्राकृतिक आपदा अथवा राजनीतिक उत्पीड़न के कारण स्वदेश छोड़ने पर मजबू होते हैं, उन्हें शरणार्थी कहा जाता है।

प्रश्न 9. व्यापक परमाणु परीक्षण निषेध संधि (सी.टी.बी.टी.) का भारत विरोध क्यों कर रहा है ? समझाइये।

उत्तर—परमाणु अप्रसार सन्धि के प्रति भारत का तर्क है कि सन्धि विभेदकारी है। इसमें अणु आयु सम्पन्न तथा अणु आयुधों से रहित राष्ट्रों के मध्य एक दीवार खड़ी करने की कोशिश की गयी है। इस सन्धि का परोक्ष उद्देश्य यह है कि अणु आयुध सम्पन्न देश सदैव के लिए अणु आयुध रहित राष्ट्रों को अपना गुलाम बना लें तथा धौंस के बल पर उनके प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके पनपने न दें। अत: भारत ने इस सन्धि प हस्ताक्षर करने से मना कर दिया।

प्रश्न 10. नि:शस्त्रीकरण का आशय स्पष्ट करते हुए उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नि:शस्त्रीकरण की आवश्यकता और महत्व की विवेचना कीजिए।

अथवा

नि:शस्त्रीकरण की आवश्यकता का प्रतिपादन किन्हीं तीन बिन्दुओं पर कीजिए।

उत्तर—नि:शस्त्रीकरण का आशय—नि:शस्त्रीकरण वह कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य शस्त्रों के अस्तित्व और उसकी प्रकृति से उत्पन्न कुछ विशिष्ट खतरों को कम अथवा समाप्त करना है।

नि:शस्त्रीकरण की आवश्यकता (या पक्ष में तर्क)—

1. विश्व शांति की स्थापना के लिए—अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिद्वन्द्विता और तनावपूर्ण स्थितियाँ ही युद्ध के वास्तविक कारण हैं, क्योंकि इनसे ही शस्त्रास्त्रों की प्रतिस्पर्धा आरम्भ होती है जिसका अन्तिम परिणाम युद्ध औ विनाश होता है। नि:शस्त्रीकरण के माध्यम से इसे रोककर विश्व शान्ति स्थापित की जा सकती है।

2. आर्थिक हानि से बचने के लिए—अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण में बहुत पैसा बर्बाद होता है। नि:शस्त्रीकरण से इस बर्बादी से बचा जा सकता है।

3. आण्विक अस्त्र-शस्त्रों से बचने के लिए—वर्तमान युग में आण्विक युद्ध एवं विनाश से बचने का एकमात्र मार्ग नि:शस्त्रीकरण ही प्रभावशाली नियन्त्रण है।

4. पर्यावरण की रक्षा के लिए आवश्यक—परमाणु परीक्षणों ने पर्यावरण को बहुत दूषित कर दिया है। नि:शस्त्रीकरण के माध्यम से इससे बचा जा सकता है।

Scanned with CamScanner

अध्याय 9

वैश्वीकरण

[GLOBALISATION]

स्तुनिष्ठ प्रश्न

न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **वैश्वीकरण के बारे में कौन-सा कथन सही है—** **(NCERT)**
   (a) वैश्वीकरण सिर्फ आर्थिक परिघटना है
   (b) वैश्वीकरण की शुरुआत 1991 में हुई
   (c) वैश्वीकरण और पश्चिमीकरण समान है
   (d) वैश्वीकरण एक बहुआयामी परिघटना है।
2. **वैश्वीकरण के प्रभाव के बारे में कौन-सा कथन सही है—** **(NCERT)**
   (a) देशों और समाजों पर वैश्वीकरण का प्रभाव विषम रहा है
   (b) सभी देशों ओर समाजों पर वैश्वीकरण का प्रभाव समान रहा है
   (c) वैश्वीकरण का असर सिर्फ राजनीतिक दायरे तक सीमित है
   (d) वैश्वीकरण से अनिवार्यतया, सांस्कृतिक समरूपता आती है।
3. **वैश्वीकरण के कारणों के बारे में कौन-सा कथन सही है—** **(NCERT)**
   (a) वैश्वीकरण का एक महत्वपूर्ण कारण प्रौद्योगिकी है
   (b) जनता का एक खास समुदाय वैश्वीकरण का कारण है
   (c) वैश्वीकरण का जन्म संयुक्त राज्य अमरीका में हुआ
   (d) वैश्वीकरण का एकमात्र कारण आर्थिक धरातल पर पारस्परिक निर्भरता है।
4. **वैश्वीकरण के बारे में कौन-सा कथन सही है—** **(NCERT)**
   (a) वैश्वीकरण का संबंध सिर्फ वस्तुओं की आवाजाही से है
   (b) वैश्वीकरण में मूल्यों का संघर्ष नहीं होता
   (c) वैश्वीकरण के अंग के रूप में सेवाओं का महत्व गौण है
   (d) वैश्वीकरण का संबंध विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव से है।

Scanned with CamScanner

अति लघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. वैश्वीकरण से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर—"किसी देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की अर्थव्यवस्था से एकीकृत करना ही वैश्वीकरण कहलाता है।"

प्रश्न 2. उदारीकरण से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर—व्यापार हेतु कानूनी नियंत्रण में ढील (छूट) देते हुए आयात-निर्यात को सरल बनाना ही उदारीकरण है। इसके अंतर्गत औद्योगिक लायसेंस प्रणाली में छूट दी जाती है।

प्रश्न 3. नवीन आर्थिक नीति के दो उद्देश्य लिखिए।

उत्तर—नवीन आर्थिक नीति के उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

(1) स्वतंत्र व्यापार को प्रोत्साहन, (2) स्वतंत्र विनिमय दर, (3) समायोजित वित्तीय प्रणाली।

प्रश्न 4. नवीन आर्थिक सुधार के दो दोष लिखिए।

उत्तर—नवीन आर्थिक सुधार के दो दोष निम्नलिखित हैं— (1) सार्वजनिक क्षेत्र के स्थान पर निजी क्षेत्र को बढ़ावा, (2) आधारभूत उद्योगों की उपेक्षा, उपभोक्ता वस्तु उद्योगों को महत्व।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 5. भू-मण्डलीकरण के उदय के तीन कारण लिखिए।

उत्तर—भू-मण्डलीकरण के उदय के तीन कारण निम्नलिखित हैं— (1) राष्ट्रों की पारस्परिक निर्भरता, (2) विज्ञान एवं तकनीकी का विकास, (3) पर्यावरण सुरक्षा की समस्या।

प्रश्न 6. भू-मण्डलीकरण के तीन लाभ बताइये।

उत्तर—भू-मण्डलीकरण के तीन लाभ निम्नलिखित हैं—(1) तकनीकी विकास, (2) विश्व अर्थव्यवस्था में समन्वय, (3) ज्ञान में वृद्धि तथा समानता की भावना में विकास।

प्रश्न 7. आर्थिक उदारीकरण के लाभ बताइये।

उत्तर—आर्थिक उदारीकरण के लाभ निम्नलिखित हैं—(1) आर्थिक उदारीकरण व्यापार को बढ़ाता है, (2) पूँजी का प्रसार तथा ज्ञान को बढ़ाता है, (3) इससे लोगों का प्रवाह बढ़ रहा है।

प्रश्न 8. आर्थिक उदारीकरण के चार उद्देश्य लिखिए।

उत्तर—आर्थिक उदारीकरण के उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

(1) देश की अर्थव्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन लाकर कृषि, उद्योग तथा परिवहन के क्षेत्र में तेजी से विकास करना, (2) वस्तुओं तथा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना, (3) व्यावसायिक क्षेत्र में शासन तथा नौकरशाही के हस्तक्षेप को कम करते हुए प्रबंधकीय क्षमता विकसित करना, (4) सार्वजनिक क्षेत्र में एकाधिकार को समाप्त करना।

प्रश्न 9. वैश्वीकरण की चार विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—वैश्वीकरण की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) वैश्वीकरण से अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय क्रियाकलाप तीव्र हो जाते हैं। (2) व्यापार का तेजी से विकास होने की वजह से इसमें बहुराष्ट्रीय निगमों का अधिक विकास होता है। (3) राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विश्व अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत होने की वजह से भौगोलिक एवं राजनीतिक गतिरोध समाप्त हो जाते हैं। (4) वैश्वीकरण की एक विशेषता यह है कि इसमें अंतर्राष्ट्रीय बाजार का प्रादुर्भाव होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. आर्थिक उदारीकरण के पक्ष में तर्क दीजिये।

अथवा

आर्थिक उदारीकरण के पक्ष एवं विपक्ष में तर्क दीजिये।

उत्तर—आर्थिक उदारीकरण उद्योग एवं व्यापार को अनावश्यक प्रतिबन्धों से मुक्त कराकर उन्हें अधिक उपयोगी बनाती है। इसके पक्ष एवं विपक्ष में तर्क निम्नलिखित हैं—

आर्थिक उदारीकरण के पक्ष में तर्क—(1) इससे विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि होती हैं। (2) कृषि, उद्योग आदि क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम मिलते हैं, निर्यात में वृद्धि होती है। (3) विदेशी विनियोग में वृद्धि होती है। (4) खरीदारी के अवसरों में वृद्धि होती है। उपभोक्ताओं को सस्ती व विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की खरीद का अवसर मिलता है।

आर्थिक उदारीकरण के विपक्ष में तर्क—(1) उदारीकरण से प्रतियोगिता को बढ़ावा मिलता है। जिससे वस्तुओं का स्तर गिर जाता है। (2) देशी व्यापार को खतरा उत्पन्न होता है क्योंकि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का आगमन देश में होने लगता है। (3) आयात शुल्क में कटौती से देशी वस्तुओं जो अच्छी स्तर की हैं उनका मूल्य गिर जाता है और देशी व्यापारियों को हानि होती है।

प्रश्न 2. भूमण्डलीकरण के लाभ-हानि को बताइये।

उत्तर—**लाभ**—(1) डब्लू. टी. ओ. के प्रयास से भूमण्डलीकरण तथा मानव विकास को समन्वित करने में सहायता प्राप्त हुई है। व्यापार एवं सेवा के क्षेत्रों में किये गये समझौते और बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधित मानदण्डों का निर्धारण करने लगे हैं। (2) भूमण्डलीकरण के कारण तकनीकी विकास एवं निषेध में वृद्धि हुई है। (3) इसने विकासशील एवं विकसित राष्ट्रों के अर्थव्यवस्था में समन्वय स्थापित किया है। (4) गरीबी उन्मूलन, सामाजिक एवं मानव के विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। (5) मानवाधिकार, पर्यावरण, महिला

Scanned with CamScanner

अध्याय 11

एक दल के प्रभुत्व का काल

[ERA OF ONE-PARTY DOMINANCE]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **भारत में संविधान कब लागू किया गया—**
   (a) 26 जनवरी, 1950 (b) 26 नवंबर, 1949 (c) 15 अगस्त, 1947 (d) 26 जनवरी, 1930।
2. **भारत में लोकसभा व विधानसभाओं का चुनाव कौन कराता है—**
   (a) चुनाव आयोग (b) संविधान आयोग (c) नीति आयोग (d) राजनीतिक दल।
3. **भारत में चुनाव आयोग का गठन कब किया गया—**
   (a) जनवरी, 1950 (b) जनवरी, 1949 (c) अगस्त, 1947 (d) इनमें से कोई नहीं।
4. **भारत के प्रथम चुनाव आयुक्त कौन थे—**
   (a) सुकुमार सेन (b) अमर्त्य सेन (c) लालबहादुर शास्त्री (d) डॉ. भीमराव अंबेडकर।
5. **भारत में प्रथम आम चुनाव किस वर्ष हुए—**
   (a) 1952 (b) 1947 (c) 1957 (d) 1949.

उत्तर—1. (a), 2. (a), 3. (a), 4. (a), 5. (a).

प्रश्न 2. (I) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. जब कई राजनीतिक दल मिलकर सरकार बनाते हैं, तो उसे .... सरकार कहते हैं।
2. 1959 में .... राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार को भंग कर राष्ट्रपति शासन लगाया गया।
3. द्रविड़ मुनेत्र कड़गम एक .... पार्टी है।
4. भारत के पहले भारतीय गवर्नर जनरल .... थे।
5. राजनीतिक दलों को .... के द्वारा चुनाव चिन्ह आबंटित किया जाता है।

उत्तर— 1. गठबंधन, 2. केरल, 3. क्षेत्रीय, 4. सी. राजगोपालाचारी, 5. चुनाव आयोग।

(II) सही विकल्प को चुनकर खाली जगह भरें— (NCERT)

1. 1952 के पहले आम चुनाव में लोकसभा के साथ .... के लिए भी चुनाव कराए गए थे।
   (भारत के राष्ट्रपति पद / राज्य विधानसभा / राज्य सभा / प्रधानमंत्री)

Scanned with CamScanner

शासा।

अति लघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. राजनीतिक दल क्यों आवश्यक हैं ?

उत्तर—(1) राजनीतिक दल जनता में राजनीतिक जागरुकता उत्पन्न करते हैं।

(2) राजनीतिक दल सरकार व जनता के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाते हैं।

(3) विपक्षी दल के रूप में राजनीतिक दल सरकार की तानाशाही व मनमानेपन पर रोक लगाते हैं।

प्रश्न 2. प्रजातंत्र शासन किसे कहते हैं ?

उत्तर—लोकतंत्र या प्रजातंत्र वह शासन प्रणाली है जिसमें शासक वर्ग न केवल जनता द्वारा निर्वाचित होता है, वरन् अपने कार्यों के लिए जनता के प्रति उत्तरदायी होता है।

प्रश्न 3. चुनाव आयोग की स्थापना कब की गई ? प्रथम चुनाव आयुक्त कौन थे ?

उत्तर—चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को की गयी। सुकुमार सेन देश के पहले चुनाव आयुक्त बने।

प्रश्न 4. भारतीय संविधान सभा का गठन किस योजना के तहत् हुआ था ?

उत्तर—कैबिनेट मिशन योजना के अन्तर्गत भारत के लिए एक संविधान सभा का गठन किया गया था।

प्रश्न 5. भारतीय संविधान कब लागू किया गया ? यह कितनी अवधि में बना ?

उत्तर—भारतीय संविधान को 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत किया गया तथा 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया। इसके निर्माण में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन लगे।

प्रश्न 6. प्रथम आम चुनाव कब हुआ ?

उत्तर—प्रथम आम चुनाव अक्टूबर, 1951 से फरवरी 1952 तक चला। आम बोलचाल में प्रथम आम चुनाव 1952 ही कहा जाता है।

प्रश्न 7. प्रथम आम चुनाव में किस दल की सरकार बनी ?

उत्तर—प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनी।

प्रश्न 8. प्रथम आम चुनाव में प्रमुख विपक्षी दल कौन-कौन थे ?

उत्तर—(1) कम्युनिस्ट पार्टी (2) सोशलिस्ट पार्टी।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 9. द्वितीय व तृतीय आम चुनाव कब हुए ? इसमें किस पार्टी की सरकार बनी ?

उत्तर—द्वितीय आम चुनाव 1957 में तथा तृतीय आम चुनाव 1962 में हुआ। इन दोनों चुनावों में कांग्रेस की सरकार बनी।

प्रश्न 10. द्वितीय आम चुनाव के समय किस राज्य में गैर कांग्रेसी सरकार बनी ?

उत्तर—द्वितीय आम चुनाव 1957 में केरल विधानसभा में कम्युनिस्ट पार्टी ने बहुमत प्राप्त कर गैर कांग्रेस की सरकार बनायी।

प्रश्न 11. एक दलीय व्यवस्था किसे कहते हैं ?

उत्तर—वे देश जहाँ एक ही दल होते हैं, दूसरे दल नहीं होते हैं। जैसे—सोवियत संघ, चीन आदि देशों में एक ही दल कम्युनिस्ट पार्टी होती है।

प्रश्न 12. द्विदलीय व्यवस्था वाले दो देशों के नाम लिखिए।

उत्तर—(1) संयुक्त राज्य अमेरिका (2) ग्रेट ब्रिटेन।

प्रश्न 13. बहुदलीय व्यवस्था वाले दो देशों के नाम लिखिए।

उत्तर—(1) भारत (2) फ्रांस।

प्रश्न 14. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई थी ?

उत्तर—भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 में की गयी थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कांग्रेस किन अर्थों में एक विचारधारात्मक गठबंधन थी ? कांग्रेस में मौजूद विभिन्न विचारधारात्मक उपस्थितियों का उल्लेख करें। **(NCERT)**

उत्तर—कांग्रेस पार्टी एक सामाजिक व विचाराधात्मक बन गई थी, क्योंकि इसमें अलग-अलग विचारधाराओं के लोग शामिल थे—

(1) कांग्रेस में अंग्रेजी-दाँ, अगड़ी जाति, उच्च मध्यम वर्ग व शहरी अभिजन का बोलबाला था।

(2) कांग्रेस ने परस्पर विरोधी हितों के कई समूहों को एक-साथ जोड़ा। कांग्रेस में किसान और उद्योगपति, शहर के बाशिंदे व गाँव के निवासी, मज़दूर और मालिक एवं मध्य, निम्न और उच्च वर्ग व जाति सबको जगह मिली।

(3) इसका नेतृत्व भी केवल उच्च वर्ग तक सीमित न रहकर खेती-किसानी की बुनियाद वाले तथा गाँव-गिरान की तरफ रुख रखने वालों तक भी विस्तृत हुआ।

कांग्रेस में मौजूद विभिन्न विचारधारात्मक उपस्थितियाँ—(1) स्वतन्त्रता पूर्व, बहुत-सी पार्टियाँ व संगठन अपनी विचारधाराओं व स्वरूप के साथ कांग्रेस में समाहित थे।

(2) इसमें से कुछ पार्टियाँ कांग्रेस से अलग हो गईं, जैसे—कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी जो बाद में विपक्षी पार्टी बन गई।

प्रश्न 2. क्या एकल पार्टी प्रभुत्व की प्रणाली का भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक चरित्र पर खराब असर हुआ है ? **(NCERT)**

उत्तर—स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से लेकर 1967 तक के चुनावों में कांग्रेस पार्टी ही सत्ता में रही और पूरे देश में इसका दबदबा था। भारत में बहुदलीय व्यवस्था थी। लेकिन अन्य राजनीतिक दलों की स्थिति सुदृढ़ नहीं थी। कांग्रेस के प्रभुत्व को देखते हुए अनेक विचारकों ने इसे एकल आधिपत्यशाली दल व्यवस्था वाला देश कहा था। कांग्रेस ने एकल आधिपत्यशाली होने के बावजूद ...

अगर गुट नहीं होता तो गुट-निरपेक्षता की नीति की बात ही

अध्याय 14

कांग्रेस प्रणाली—चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना

[CHALLENGES TO AND RESTORATION OF THE CONGRESS SYSTEM]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. पं. जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद भारत के प्रधानमंत्री कौन बने—

   (a) लाल बहादुर शास्त्री (b) इंदिरा गाँधी (c) के. कामराज (d) जगजीवन राम।

Scanned with CamScanner

अति लघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कांग्रेस प्रणाली क्या है ?

उत्तर—1952 से 1964 के काल में कांग्रेस के राजनीतिक वर्चस्व के कारण विदेशी विद्वान मॉरिस जॉन्स ने 1964 में भारत की दल प्रणाली को एक दलीय प्रभुत्व की संज्ञा दी थी। इस तरह भारतीय विद्वान रजनी कोठारी ने भारतीय दल प्रणाली के विश्लेषण हेतु 1964 में इसे कांग्रेस प्रणाली की संज्ञा दी।

प्रश्न 2. गैर-कांग्रेसवाद से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर—समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया ने सर्वप्रथम गैर-कांग्रेसवाद की बात की। 1967 के चुनाव में कांग्रेस केन्द्र में सरकार बनाने में सफल रही परन्तु राज्यों में उसकी स्थिति में व्यापक परिवर्तन आया और पहले की तुलना में कांग्रेस राज्यों में कमजोर रही। राज्यों में सीटों के मामले में विपक्षी एक मंच पर आ गए। इसे ही गैर-कांग्रेसवाद कहा जाता है।

प्रश्न 3. 1969 में कांग्रेस किन दो भागों में बँट गई ?

उत्तर—1969 में कांग्रेस दो भागों में बँट गई— पुराने कांग्रेस को कांग्रेस-ओ (ऑर्गनाइजेशन) तथा नया कांग्रेस यानी इंदिरा गाँधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस को कांग्रेस-आर (रिक्विजिनिस्ट) कहा जाता था।

प्रश्न 4. कांग्रेस में सिंडिकेट क्या है ?

उत्तर—कांग्रेस नेताओं के एक समूह को अनौपचारिक तौर पर 'सिंडिकेट' के नाम से इंगित किया जाता था। इस समूह के नेताओं का पार्टी के संगठन पर नियंत्रण था।

प्रश्न 5. 1971 के लोकसभा चुनाव में किस राजनीतिक दल को बहुमत प्राप्त हुआ ?

उत्तर—1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गाँधी की कांग्रेस को बहुमत प्राप्त हुआ।

प्रश्न 6. 'गरीबी हटाओ' का नारा किसने तथा कब दिया ?

उत्तर—1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गाँधी ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया।

प्रश्न 7. "प्रिवी पर्स" क्या है ?

उत्तर—स्वतंत्रता के पश्चात् रियासतों का विलीनीकरण किया गया। तब सरकार ने रियासतों को निश्चित मात्रा में धन रखने का अधिकार दिया था तथा सरकार की तरफ से विशेष भत्ते भी दिये जाते थे, जिसे "प्रिवी पर्स" कहा जाता था।

प्रश्न 8. 1970 के दशक में इंदिरा गाँधी की सरकार किन कारणों से लोकप्रिय हुई थी ? (NCERT)

उत्तर—इंदिरा गाँधी समाजवादी नेता थी, उन्हें मालूम था कि भारत की बहुसंख्या जनसंख्या गाँवों में निवास करती है जो गरीबी रेखा से नीचे है, अतः भारत को विकास करने के लिए इन गरीबों को विकसित करना होगा, इस कारण उन्होंने अनेक योजनाएँ चालू कीं जिस कारण वो लोकप्रिय हुईं। इनमें प्रमुख थे—गरीबी हटाओ, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, सामाजिक व आर्थिक नीति, प्रिवी पर्स की समाप्ति, 20 सूत्रीय कार्यक्रम आदि।

प्रश्न 9. 1960 के दशक की कांग्रेस पार्टी के संदर्भ में "सिंडिकेट" का क्या अर्थ है ? सिंडिकेट ने कांग्रेस पार्टी में क्या भूमिका निभाई ? (NCERT)

उत्तर—"सिंडिकेट" कांग्रेस के भीतर प्रभावशाली वरिष्ठ नेताओं का समूह था। इनमें शामिल प्रमुख नेता के. कामराज, एस.के. पाटिल, मोरारजी देसाई, एस. निजलिंगप्पा, एन. संजीव रेड्डी, अतुल्य घोष आदि थे। कांग्रेस पार्टी में इनकी भूमिका को निम्नलिखित बिन्दुओं में जाना जा सकता है—

(1) सिंडिकेट को "किंग मेकर" कहा जाता था। नेहरू की मृत्यु के बाद शास्त्री को तथा शास्त्री की मृत्यु के बाद इंदिरा गाँधी को प्रधानमंत्री बनाने में इनकी प्रमुख भूमिका थी।

(2) सिंडिकेट ने इंदिरा गाँधी के पहले प्रधानमंत्री काल में मंत्रिपरिषद के गठन और नीतियों के निर्माण व क्रियान्वयन में प्रमुख भूमिका निभाई।

Scanned with CamScanner

अध्याय 16

जन-आंदोलनों का उदय

[RISE OF POPULAR MOVEMENTS]

स्तुनिष्ठ प्रश्न

श्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. स्वतंत्र भारत में किसान आंदोलन की शुरुआत किस घटना के बाद हुई—
   (a) हरित क्रांति (b) बंगाल क्रांति (c) युवा क्रांति (d) महिला क्रांति।
2. भारतीय किसान संघ की स्थापना किसने की थी—
   (a) दत्तोपंतजी देगड़ी (b) अन्ना हजारे
   (c) मेधा पाटकर (d) बाबा रामदेव।
3. ताड़ी विरोधी आंदोलन किस राज्य क्षेत्र में चलाया गया—
   (a) दक्षिणी राज्यों में (b) पश्चिमी राज्यों में
   (c) पूर्वी राज्यों में (d) मध्यवर्ती राज्यों में।
4. भारत सरकार ने महिला सशक्तिकरण नीति कब बनाई—
   (a) सन् 1960 (b) सन् 1980 (c) सन् 1990 (d) सन् 2001.
5. पंचायत चुनावों में महिलाओं को कितने प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है—
   (a) कुल सीट का 1/4 (b) कुल सीट का 1/5
   (c) कुल सीट का 1/8 (d) कुल सीट का 1/3.
6. सरदार सरोवर परियोजना किस नदी पर है—
   (a) नर्मदा तथा उसकी सहायक नदियाँ (b) चम्बल तथा उसकी सहायक नदियाँ
   (c) महानदी तथा उसकी सहायक नदियाँ (d) ब्रम्हपुत्र तथा उसकी सहायक नदियाँ।
7. दलित पैंथर आन्दोलन किस राज्य में प्रारंभ हुआ—
   (a) महाराष्ट्र (b) उ. प्र. (c) म. प्र. (d) पं. बंगाल।

र—1. (a), 2. (a), 3. (a), 4. (d), 5. (d), 6. (a), 7. (a).

न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. पर्यावरण .... आज विश्वव्यापी समस्या है।
2. पर्यावरण प्रदूषण में विकसित देशों का योगदान .... है।
3. काका कालेकर का संबंध .... से है।
4. महिला सशक्तिकरण से महिलाओं की स्थिति .... हुई है।
5. विश्व महिला दिवस .... को मनाया जाता है।
6. सरदार सरोवर बाँध .... राज्य में तथा नर्मदा सागर बाँध .... राज्य में है।
7. नये सामाजिक आंदोलन किसी विशेष .... से नहीं जुड़े हैं।
8. सर्वांगीण व टिकाऊ विकास को .... कहते हैं।
9. अखिल भारतीय किसान काँग्रेस .... ने बनायी थी।

र—1. प्रदूषण, 2. अधिक, 3. पिछड़ा वर्ग आयोग, 4. मजबूत, 5. 8 मार्च, 6. गुजरात, मध्यप्रदेश, 7. विचार-धारा, 8. सर्वांगीण विकास, 9. सरदार पटेल।

Scanned with CamScanner

अति लघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. जन आंदोलन किसे कहते हैं ?

उत्तर— जन आंदोलन एक ऐसा आन्दोलन है जिसका उद्देश्य सिर्फ आर्थिक लाभ प्राप्त करना न होकर सामाजिक, सांस्कृतिक बदलाव अथवा सामाजिक हित की पूर्ति करना होता है। जन आंदोलन स्वैच्छिक आधार पर चलाये जाते हैं। लोक हित से इनका संबंध होने के कारण इन्हें जनता का अपने आप समर्थन प्राप्त होता है।

प्रश्न 2. 1980 में भारतीय किसान यूनियन की किन्हीं दो माँगों को बताइए।

उत्तर—माँगें—(*i*) गेहूँ और गन्ने के सरकारी खरीद मूल्य में बढ़ोत्तरी। (*ii*) समुचित दर पर गारण्टीशुदा बिजली आपूर्ति करना।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. ताड़ी विरोधी आंदोलन क्या था ?

उत्तर— ताड़ी विरोधी आंदोलन आन्ध्रप्रदेश की ग्रामीण महिलाओं द्वारा मदिरापान, माफिया और सरकार के विरोध में लड़ाई थी।

प्रश्न 4. गैर-दलीय आन्दोलन से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर— गैर-दलीय आन्दोलन स्वैच्छिक संगठनों या लोगों के समूह (छात्रों / मजदूरों) द्वारा शुरू किया जाता है, जिन्हें राजनीतिक दलों का समर्थन नहीं मिलता है और जो चुनाव में भाग नहीं लेते हैं।

प्रश्न 5. कोई दो दल आधारित आन्दोलन बताइए।

उत्तर— (i) नक्सलवादी आन्दोलन, (ii) मुम्बई, कोलकाता, कानपुर के ट्रेड यूनियन आन्दोलन।

प्रश्न 6. नर्मदा घाटी परियोजना क्या है ?

उत्तर— नर्मदा नदी को बाँधकर बहु-उद्देशीय परियोजनाओं की शुरुआत 1979 में किया गया। इसके तहत् मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से गुजरने वाली नर्मदा और उसकी सहायक नदियों पर 30 बड़े, 135 मध्यम तथा 300 छोटे बाँध बनाने का प्रस्ताव रखा गया। गुजरात में सरदार सरोवर तथा मध्यप्रदेश में नर्मदा सागर बाँध दो सबसे बड़ी परियोजना है।

प्रश्न 7. मण्डल आयोग की सिफारिशों को लागू करने वाले भारतीय प्रधानमंत्री का नाम बताइए।

उत्तर— मण्डल आयोग की सिफारिशों को लागू करने वाले भारतीय प्रधानमंत्री का नाम वी.पी. सिंह है।

प्रश्न 8. 1980 के दशक में मछुआरों के स्थानीय संगठन ने किस नाम से राष्ट्रीय मंच बनाया ?

उत्तर— 1980 के दशक में मछुआरों के स्थानीय संगठन ने अपना एक राष्ट्रीय मंच बनाया। इसका नाम नेशनल फिश वर्कर्स फोरम रखा गया।

प्रश्न 9. आन्ध्रप्रदेश में चले शराब विरोधी आन्दोलन ने देश का ध्यान कुछ गंभीर मुद्दों की तरफ खींचा। ये मुद्दे क्या थे ? (NCERT)

उत्तर—आंध्रप्रदेश में चला शराब विरोधी आंदोलन महिलाओं का एक स्वःस्फूर्त आंदोलन था। ये महिलाएँ अपने आस-पास शराब की बिक्री पर प्रतिबंध की माँग कर रही थीं। इस आंदोलन ने कुछ प्रमुख मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित किया जो निम्नलिखित हैं—

(1) नशापान से ग्रामीण अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होती है। (2) ताड़ी व्यवसायी अपराध व राजनीति के बीच गहरे रिश्ते बना रखे हैं। (3) महिलाओं ने घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, कार्यस्थल व सार्वजनिक स्थानों पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ कदम उठाना शुरू किया, इस तरह यह महिला आन्दोलन का हिस्सा बन गया। (4) शराब व्यवसाय से परिवारों की सामाजिक आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है।

प्रश्न 10. क्या आप शराब विरोधी आंदोलन को महिला आंदोलन का दर्जा देंगे ? कारण बताइए। (NCERT)

उत्तर—शराब विरोधी आंदोलन को महिला आंदोलन का दर्जा दिया जा सकता है। इसका दर्जा देने के निम्नलिखित कारण हैं— (1) इस आंदोलन ने महिलाओं के खिलाफ होने वाले हिंसा व उत्पीड़न के खिलाफ माहौल तैयार किया। (2) दहेज-प्रथा के विरुद्ध आवाज उठनी शुरू हुई। (3) महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व की माँग की, इसके लिए उन्होंने धरना तथा प्रदर्शन किया। (4) लैंगिक असमानता के खिलाफ आवाज उठना प्रारंभ हुआ।

प्रश्न 11. क्या आंदोलन और विरोध की कार्रवाइयों से देश का लोकतंत्र मजबूत होता है ? अपने उत्तर की पुष्टि में उदाहरण दीजिए। (NCERT)

उत्तर—अहिंसक और शान्तिपूर्ण ढंग से चलाए गए आंदोलन और विरोध की कार्यवाही से देश का

Scanned with CamScanner

अध्याय 17

क्षेत्रीय आकांक्षाएँ

[REGIONAL ASPIRATIONS]

स्तुनिष्ठ प्रश्न

श्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. क्षेत्रीय असंतुलन से क्या अर्थ है—
   (a) कोई भाग ज्यादा विकसित कोई भाग कम विकसित
   (b) सभी का विकास समान होता है
   (c) सभी पिछड़े रहते हैं
   (d) उपरोक्त में से कोई नहीं।
2. पूर्वोत्तर के राज्यों में शामिल नहीं है—
   (a) नागालैण्ड (b) अरुणाचल प्रदेश (c) मिजोरम (d) केरल।

Scanned with CamScanner

अति लघु /लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. क्षेत्रीय आकांक्षाएँ क्या हैं ?

उत्तर—क्षेत्रीय आकांक्षाएँ एक क्षेत्र विशेष में निवास करने वाले लोगों की अपने क्षेत्र के प्रति विशेष लगाव व अपनत्व की भावना है।

प्रश्न 2. क्षेत्रीय आकांक्षाएँ देश की एकता के लिए कैसे खतरा पैदा कर सकती है ?

उत्तर—क्षेत्रीय आकांक्षाओं से देश में अलगाववाद की समस्या पैदा हो सकती है।

प्रश्न 3. ऑपरेशन ब्लू स्टार क्या था ?

उत्तर—ऑपरेशन ब्लू स्टार भारत सरकार द्वारा चलाया गया एक सैन्य अभियान था, जिसमें सरकार ने स्वर्ण मंदिर से उग्रवादियों को मार भगाने में कामयाबी हासिल की।

प्रश्न 4. क्षेत्रवाद क्या है ?

उत्तर—भारत में क्षेत्रवाद—भारत में क्षेत्रवाद एक बहुआयामी घटना है क्योंकि यह भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक-प्रशासनिक और मानस कारकों का एक जटिल समामेलन है। वास्तव में किसी विशेष कारक को इंगित करना संभव नहीं है, जो कि क्षेत्रीयता की घटना के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार रहा है। इसलिए, इन सभी कारकों को संक्षेप में समझाया जाना चाहिए।

प्रश्न 5. पृथकतावाद का अर्थ लिखिए।

उत्तर—जब किसी क्षेत्र के लोगों में क्षेत्रीय भावनाएँ तीव्र होने लगती हैं तथा राष्ट्र से अलग होने की भावना पैदी होती है तो उसे पृथकतावाद कहा जाता है।

प्रश्न 6. भारत के पाँच क्षेत्रीय दलों के नाम व कार्य क्षेत्र लिखिए।

उत्तर—
1. आम आदमी पार्टी — दिल्ली व पंजाब
2. असम गण परिषद् — असम
3. अन्ना डी.एम.के. — तमिलनाडु
4. बीजू जनता दल — उड़ीसा (ओडिसा)
5. झारखण्ड मुक्ति मोर्चा — झारखण्ड।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 7. पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के नाम लिखिए।

उत्तर—असम, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर।

प्रश्न 8. क्षेत्रीयता के विकास के कारण लिखिए।

उत्तर—क्षेत्रीयता के विकास के कारण निम्नलिखित हैं—

(1) आर्थिक कारण, (2) भौगोलिक कारण (असमानता), (3) भाषा एवं जातिगत विभिन्नता, (4) सांस्कृतिक कारण, (5) राजनीतिक कारण, (6) अन्तर्राज्यीय विवाद।

प्रश्न 9. क्षेत्रीयता के दुष्परिणाम या प्रभाव लिखिए।

उत्तर— क्षेत्रीयता के दुष्परिणाम (प्रभाव) निम्नलिखित हैं—

(1) क्षेत्रीय संघर्ष और तनाव बढ़ना, (2) केन्द्र एवं राज्यों के मध्य टकराव, (3) अधिक स्वायत्तता और अलगाव की बढ़ती प्रवृत्ति, (4) संघीय क्षेत्रों द्वारा पूर्ण राज्य की माँग, (5) स्वार्थी नेतृत्व व संगठन को बल, (6) राष्ट्रीय एकता को खतरा, (7) भूमिपुत्र सिद्धान्त।

प्रश्न 10. क्षेत्रीयता की भावना को रोकने के उपाय सुझाइये।

उत्तर—उपाय—(1) राष्ट्रीयता की भावना का विकास। (2) शिक्षा प्रणाली में सुधार। (3) समन्वित आर्थिक विकास। (4) परिवहन और संचार साधनों का समान विस्तार। (5) राष्ट्रभाषा को सम्मान दिलाना। (6) राजनीतिक वातावरण में सुधार। (7) गैर-सरकारी संगठनों का सहयोग।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. क्षेत्रवाद क्या है ? क्षेत्रवाद के कारण लिखिए।

उत्तर—भारत में क्षेत्रवाद—अति लघु/लघु उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 4 देखिए।

भारत में क्षेत्रवाद के प्रमुख कारण—भारत में क्षेत्रवाद के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं—

1. भौगोलिक कारक—भौगोलिक सीमाओं के आधार पर क्षेत्रीय अभिविन्यास एक विशेष क्षेत्र के निवासियों से संबंधित है जो प्रतीकात्मक है, कम-से-कम भारतीय संदर्भ में। भौगोलिक सीमाओं के साथ भाषाई वितरण के कारण यह अधिक है। निपटान पैटर्न में अंतर के साथ स्थलाकृतिक और जलवायु परिवर्तन लोगों में क्षेत्रीयता की अवधारणा को प्रेरित करते हैं।

2. ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कारक—भारतीय परिदृश्य में ऐतिहासिक या सांस्कृतिक कारकों को क्षेत्रवाद की घटना के प्रमुख घटक माना जा सकता है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक घटक सांस्कृतिक विरासत, लोककथाओं, मिथकों, प्रतीकवाद और ऐतिहासिक परंपराओं के माध्यम से क्षेत्रीयता की व्याख्या करते हैं। एक विशेष सांस्कृतिक समूह के लोग स्थानीय नायकों की नेक कामों और शानदार उपलब्धियों से प्रेरणा लेते हैं। फिर भी अचानक राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताएँ हैं जिन्हें ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कारकों के दायरे में कवर किया जा सकता है।

3. जाति और क्षेत्र—भारतीय समाज में जाति व्यवस्था और धर्म क्षेत्रीयता पैदा करने में एक मामूली भूमिका निभाते हैं। केवल जब जाति को भाषाई प्रभाव या धर्म के साथ जोड़ा जाता है तो यह क्षेत्रीय भावना का कारण हो सकता है। इस तरह से धर्म इतना महत्वपूर्ण नहीं है सिवाय इसके कि जब इसे भाषाई समरूपता के साथ जोड़ा जाए या डोगराटिज्म और रूढ़िवाद पर आधारित या आर्थिक अभाव के साथ जोड़ा जाए। हालाँकि, क्षेत्रीयता आम तौर पर एक धर्मनिरपेक्ष घटना है, जो एक सापेक्ष अर्थ में है और यह जाति की संबद्धता या धार्मिक निष्ठाओं को काट सकती है।

4. आर्थिक कारक—वर्तमान समय में, देश के विभिन्न हिस्सों में असमान विकास को क्षेत्रीयता और अलगाववाद के प्रमुख कारण के रूप में माना जा सकता है। देश में कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ उद्योगों और कारखानों को केन्द्रित किया गया है, शैक्षिक और स्वास्थ्य सुविधाएँ पर्याप्त रूप से प्रदान की जाती हैं, संचार शुद्ध कार्य विकसित किए गए हैं, तेजी से कृषि विकास संभव हुआ है। लेकिन कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं जहाँ सामाजिक आर्थिक